Pranali Shivale

Topic:-Maratha arakshan

## 

## 2024 के मराठा मोर्चे: आरक्षण की मांग के लिए उठा आवाज

2024 के जनवरी महीने में महाराष्ट्र में दो प्रमुख मराठा मोर्चा हुए, जिनमें मराठा समुदाय ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण की अपनी मांग को जोरदार तरीके से उठाया. ये दोनों मोर्चे काफी चर्चा में रहे और राज्य में यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई. आइए इन मोर्चों के बारे में विस्तार से जानें:

1. मनोज जरंगे पाटिल का मोर्चा:

* नेता: मनोज जरंगे पाटिल, मराठा क्रांति मोर्चा के संस्थापक
* स्थान: पुणे और पिंपरी चिंचवड़
* तारीख: 20 जनवरी 2024
* मांग: मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण

2.मनोज जरंगे पाटिल ने जनवरी 2024 में रंजनगांव से मुंबई तक पदयात्रा शुरू की थी, जो 20 जनवरी को पुणे पहुंची. यहां से उन्होंने बड़ी रैली का आयोजन किया, जिसमें हजारों मराठा समाज के लोग शामिल हुए. प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और यातायात बाधित किया.

3. पाटिल का यह मोर्चा 24 जनवरी तक चला, जिसमें उन्होंने मुंबई के मंत्रालय तक पदयात्रा कर सरकार से आरक्षण लागू करने का आग्रह किया.

4. अन्य समूहों के मोर्चे:

जनवरी 2024 में ही मराठा क्रांति मोर्चा और मनोज जरंगे पाटिल के मोर्चों के अलावा भी महाराष्ट्र के कई शहरों में मराठा समुदाय के अन्य समूहों ने भी प्रदर्शन किए. इन सभी मोर्चों की मुख्य मांग एक ही थी - मराठा समुदाय के लिए आरक्षण.



5.मोर्चों का प्रभाव:हालांकि ये मोर्चे शांतिपूर्ण रहे, लेकिन यातायात व्यवस्था में भारी व्यवधान पैदा हुआ. कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई. इसके अलावा, इन मोर्चों ने महाराष्ट्र की राजनीति में भी गर्माहट पैदा कर दी है.

6.विपक्षी दलों ने सरकार पर मराठा समुदाय की अनदेखी करने का आरोप लगाया है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि वह आरक्षण का मुद्दा सुलझाने के लिए प्रयास कर रही है.

7.आरक्षण का मुद्दा:महाराष्ट्र में मराठा समुदाय की आबादी करीब 30% है, लेकिन सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में उनका प्रतिनिधित्व काफी कम है.

8. यही कारण है कि पिछले कई सालों से मराठा समुदाय आरक्षण की मांग कर रहा है. 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा लागू किए गए मराठा आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था, जिसके बाद से यह मुद्दा फिर से सुर्खियों में आया है.

9.फिलहाल मराठा आरक्षण का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है. सरकार इस मामले में नया प्रस्ताव पेश कर रही है, जिस पर कोर्ट का फैसला आने का इंतजार है. यह देखना होगा कि आखिरकार मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग कब और कैसे पूरी होती है.

10.मुद्दे के कुछ महत्वपूर्ण पहलू:

* मराठा आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है.
* सरकार नया प्रस्ताव पेश कर रही है, जिस पर कोर्ट का फैसला आने का इंतजार है.
* विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार मराठा समुदाय की अनदेखी कर रही है.
* सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि वह आरक्षण का मुद्दा सुलझाने के लिए प्रयास कर रही है.